



SHRI GEORGE FERNANDES (POSTHUMOUS)

Shri George Fernandes was a charismatic self-made man, whose multifaceted 60-year career in public life made him nationally and internationally renowned as a Trade Unionist and Politician. He was a champion of the poor and devoted his life to uplifting the cause of the downtrodden.

2. Born on 3rd June, 1930, in a Christian family in Mangalore, Shri George Fernandes completed his schooling at St. Aloysius School, Mangalore. Against his father's wishes, he opted out of college and joined the Roman Catholic Seminary in Bangalore to be a priest. After two years, disillusioned by his perception of the Church, he left. He returned to Mangalore at the age of 18 to begin his working life, joining the Socialist movement inspired by his mentor P. D'Mello. Recognizing his organizational skills, D'Mello sent George to Bombay, when he was just 20, to organize the Udupi workers whose plight was dire.

3. Shri George Fernandes began his career with the pavements of Bombay as his residence, and a wage of 8 annas a month as a proof reader. Within a few years, he was hailed as the "King of the Sweepers of Bombay". In the 1950's and 60's he forged several unions including Bombay Labour Union, Bombay Taximen's Union, BEST Workers' Union and Hind Mazdoor Kisan Panchayat. The word "Bandh" coined by him is now a part of the English language. To make banking easier for the ordinary man, in 1968, he started the New India Cooperative Bank. It now has 30 branches and has helped millions of labourers and union workers get loans.

4. Shri George Fernandes as President of the All India Railway men's Federation, in 1974, organized a nationwide strike to address the long standing grievances of railway workers. Other trade Unions and opposition political parties also joined, which brought the entire nation to a halt. George was catapulted to fame both nationally and internationally.

5. In 1967, Shri George contested the Lok Sabha election from Bombay as a member of the Socialist Party, and defeated the veteran Congress leader, S.K. Patil. He was elected to the Lok Sahha 9 times over a span of 40 years. He was a Rajya Sabha member from 2009-2010. He was a staunch opponent of the Congress and renowned for his fiery oratory in Parliament.

6. Escaping arrest at the start of the Emergency in June, 1975, Shri George Fernandes became famous for fighting democracy from the Underground until his arrest a year later in June, 1976. Undeterred, George jangled the chains and thundered: "these chains represent all of India in chains". The growing international criticism against gross violation of human rights affected Mrs. Gandhi who announced General elections in February, 1977.

7. After 1977 elections, Shri George became the Minister of Industry in Morarji Desai's Janata Party Government (1977-79). He made the US multinationals IBM and Coca Cola leave India for not implementing the Foreign Exchange Regulations Act. To generate employment in his constituency in Muzaffarpur, Bihar, a Thermal Power Station and a Lijjat Papad factory were set up. As the Railways Minister in the V.P. Singh Government (1989-90), George was the driving force behind the historic Konkan Railway project. It was the first major development in the history of rail transport in India since 1947. During his tenure as Defence Minister in Atal Bihari Vajpayee's administration (1998-2004), the Kargil war was won. George was very popular with the jawans. He visited the harshest posting at Siachen Glacier many times to keep the morale of soldiers high.

8. Shri George Fernandes public image of simplicity was a reflection of the way he lived his life, surrounded by books and his favorite pet dogs. He remained a man of the people and rejected having large security details or guards posted at the gate to his residence to ensure he would always be accessible to his constituents.

9. Shri George Fernandes passed away on 29th January, 2019.





श्री जॉर्ज फर्नांडिस (मरणोपरान्त)

श्री फर्नांडिस अपने बलबूते पर उठे करिश्माई व्यक्ति थे, जिनकी सार्वजनिक जीवन में 60 वर्षों की बहुमुखी सेवा ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ट्रेड यूनियन नेता तथा राजनीतिज्ञ के रूप में ख्याति प्रदान की। वे गरीबों के हितैषी थे तथा इन्होंने अपना जीवन कमजोर और गरीब तबके के लोगों के उत्थान में लगा दिया।

2. श्री जॉर्ज फर्नांडिस का जन्म 3 जून, 1930 को मंगलौर के एक ईसाई परिवार में हुआ था। इन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सैंट एलोयसिस स्कूल, मंगलौर से पूरी की। अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध, इन्होंने कॉलेज छोड़ने का फैसला किया और एक पादरी बनने के लिए रोमन कैथोलिक सेमिनरी के सदस्य बन गए। दो वर्षों के पश्चात, चर्च की विचारधारा से भ्रांतिमुक्ति के बाद, उन्होंने चर्च को छोड़ दिया। अपना कामकाज आरंभ करने के लिए, वह 18 वर्ष की आयु में मंगलौर वापस आ गए, जहां वह अपने मेंटर पी. डिमेलो से प्रेरित होकर समाजवादी अभियान में शामिल हुए। इनके संगठनात्मक कौशल को पहचान कर, डिमेलो ने श्री जॉर्ज को अत्यंत दयनीय स्थिति में रह रहे उडुपी कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए उस समय मुम्बई भेज दिया जब उनकी आयु केवल 20 वर्ष की थी।

3. श्री जॉर्ज फर्नांडिस ने अपने कॅरियर की शुरुआत मुम्बई की पटरियों से तथा प्रूफ रीडर के रूप में 8 आना प्रतिमाह के वेतन के साथ अपने घर से की और कुछ ही वर्षों में वह "किंग ऑफ द स्वीपर्स ऑफ बॉम्बे" के रूप में मशहूर हो गए। वर्ष 1950–60 में इन्होंने बॉम्बे लेबर यूनियन, बॉम्बे टेक्सीमैन यूनियन, बेस्ट वर्कर यूनियन तथा हिंद मजदूर किसान पंचायत सहित कई यूनियनों को संगठित किया। इनके द्वारा गढ़ा गया "बंद" शब्द अब अंग्रेजी भाषा का एक हिस्सा बन गया है। एक आम आदमी के लिए बैंकिंग को आसान बनाने के लिए, उन्होंने वर्ष 1968 में न्यू इंडिया को–ऑपरेटिव बैंक की शुरुआत की। इसकी अब 30 शाखाएं हैं तथा जिनके माध्यम से लाखों मजदूरों और यूनियन कार्यकर्ताओं को ऋण लेने में मदद मिली है।

4. श्री जॉर्ज फर्नांडिस ने ऑल इंडिया रेलवे मैंस फेडरेशन के अध्यक्ष के रूप में, वर्ष 1974 में रेलवे कर्मचारियों की काफी समय से लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। अन्य ट्रेड यूनियनों, विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने भी इसमें भाग लिया, जिसके कारण पूरे देश का कार्यकलाप ठप हो गया। इससे जॉर्ज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही स्तरों पर ख्याति प्राप्त हुई।

5. श्री जॉर्ज फर्नांडिस ने वर्ष 1967 में समाजवादी पार्टी के सदस्य के रूप में मुम्बई से लोक सभा का चुनाव लड़ा, तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एस. के. पाटिल को हराया। 40 वर्षों की अवधि में वे लोक सभा के लिए 9 बार निर्वाचित हुए। वह वर्ष 2009 से 2010 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वह कांग्रेस के धुर विरोधी थे तथा संसद में अपने ओजस्वी भाषण के लिए विख्यात रहे हैं।

6. जून 1975 में, आपातकाल लगाए जाने के बाद, श्री जॉर्ज गिरफ्तारी से बचते हुए एक वर्ष बाद गिरफ्तार होने तक भूमिगत रहे। लोकतंत्र के लिए संघर्ष किया जिसके लिए उन्हें अत्यंत ख्याति प्राप्त हुई। जून 1976 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बिना डरे, श्री जॉर्ज ने बेड़ियों को झनकारते हुए और दहाड़ते हुए कहा "ये बेड़ियां पूरे भारत को बेड़ियों में जकड़े होने का प्रतिनिधित्व करती हैं"। मानवाधिकारों के घोर–हनन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही आलोचना से प्रभावित होकर, श्रीमती गांधी ने फरवरी 1977 में आम चुनावों की घोषणा कर दी।

7. वर्ष 1977 के चुनाव के पश्चात, मोरारजी देसाई की जनता पार्टी सरकार (1977–79) में श्री जॉर्ज उद्योग मंत्री बने। इन्होंने फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट का कार्यान्वयन न करने के कारण, यूएस मल्टी नेशनल्स आईबीएम तथा कोका कोला को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया। अपने निर्वाचन क्षेत्र मुजफ्फरपुर, बिहार में रोजगार पैदा करने के लिए इन्होंने थर्मल पॉवर स्टेशन तथा लिज्जत पापड़ फैक्ट्री की स्थापना कराई। वी. पी. सिंह सरकार (1989–90) में रेलवे मंत्री के रूप में श्री जॉर्ज ऐतिहासिक कोंकण रेलवे परियोजना के मुख्य प्रेरणास्रोत थे। भारत में वर्ष 1947 से रेलवे यातायात के इतिहास में यह पहला महत्वपूर्ण विकास था। अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में (1998–2004) में रक्षा मंत्री के रूप में आपके कार्यकाल के दौरान कारगिल का युद्ध जीता गया। श्री जॉर्ज जवानों के चहेते थे। उन्होंने सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए कई बार सियाचीन ग्लेशियर के सबसे कठिन मोर्चों का दौरा किया।

8. श्री जॉर्ज फर्नांडिस की सादगीपूर्ण सार्वजनिक छवि उनके जीवन जीने के तरीके को परिलक्षित करती है। उनका जीवन किताबों तथा अपने पंसदीदा पालतू कुत्तों के बीच बीता। वे जन–साधारण के प्रतिनिधि बनकर रहे तथा इन्होंने अपने आवास के गेट पर व्यापक सुरक्षा या गार्डों को तैनात करने से मना कर दिया ताकि लोग बेरोक–टोक उनसे मिल सकें।

9. श्री जॉर्ज फर्नांडिस का दिनांक 29 जनवरी, 2019 को देहावसान हो गया।